AC – 20/05/2025
Item No. – 5.2 (N) (Sem IV)

As Per NEP 2020

University of Mumbai

Syllabus for Basket of OE Vertical 3	
Faculty of- HUMANITIES	
Board of Studies in- HINDI	
Second Year Programme	
Semester	**IV**
Title of Paper	**Credits**
I) हिंदी : वैज्ञानिक लेख	**2**
From the Academic Year	**2025-26**

Title of Paper- हिंदी:वैज्ञानिक लेख

Sr. No.	Heading	Particulars
1	**Description of the course:**	विज्ञान प्रयोग और अवलोकन के माध्यम से प्राकृतिक विश्व को समझने की एक विधि है। वैज्ञानिक परिकल्पनाओं, जांच-पड़ताल, तथ्यों,विभाजन के विकास और इन परीक्षण के लिए किए गए प्रयोगों पर आधारित है। विज्ञान भौतिक घटनाओं के बारे में सत्यापन योग्य तत्वों और सैद्धांतिक तर्क पर निर्भर करता है। वैज्ञानिक ज्ञान और विशेष जांच में विकास के साथ विषयात्मक सीमाओं का विकास हुआ और गणित, भौतिक, खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान आदि जैसे विभिन्न विशेष जन्में। ऐसा कहा जाता है कि विभिन्न विषयों में विज्ञान का विभाजन 19 वीं शताब्दी प्रारम्भ हुआ। वैज्ञानिकों ने बहुत-सी उपलब्धियां हमारे समक्ष रखी हैं। विशेष ज्ञान की मांग के साथ अतीत के विश्वकोशीय अभिविन्यासों की पुरानी प्रथाओं से हटकर उच्च शिक्षा के संस्कारों में विषयात्मक संरचनाओं ने ठोस आकार ले लिया है। जैसे-जैसे विज्ञान उन्नत होता है, बहुत-सी बातें स्पष्ट होती चली जाती हैं। वर्तमान में विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है कि बिना विज्ञान के हमारा जीवन ही अधूरा है। इसलिए शिक्षा संस्थानों में भी विज्ञान की शिक्षा पर आज बल दिया जा रहा है। साथ ही कला के क्षेत्र में भी विज्ञान ने तकनीक के माध्यम से बहुत कुछ आसान कर दिया है। वर्तमान युग में यदि हमें जीवन में सफलता प्राप्त करनी है तो विज्ञान की सहायता से बड़ी आसानी से हम वह प्राप्त कर सकते हैं। रोज़गार के क्षेत्र में, समाज के क्षेत्र में, राजनीतिक क्षेत्र में, आर्थिक क्षेत्र में, सांस्कृतिक क्षेत्र में हम कह सकते हैं कि विश्व का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां विज्ञान ने अपनी दस्तक न दी हो। इन सब विचारों को ध्यान में रखते हुए विज्ञान की जानकारी हिंदी में प्रस्तुत करने हेतु प्रस्तुत पाठ्यक्रम बनाया गया है, जिससे कला शाखा के विद्यार्थी विज्ञान से जुड़ें वर्तमान में विज्ञान हमें क्या प्रदान कर रहा है, हमें किस दिशा में ले जा रहा है, इसकी जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त हो। विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करते हुए उन्हें अधिक से अधिक तथ्यात्मक विचारों का बनाने एवं तर्कशील बनाने में हिंदी के वैज्ञानिक लेख सहायक सिद्ध होंगे। आज जब AI का युग आ चुका है ऐसी अवस्था में विद्यार्थियों को विज्ञान की सामान्य जानकारी होना अत्यावश्यक है। इन सब विचारों को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी के लिए उपयुक्त है।
2	**Vertical:**	OE
3	**Type:**	Theory
4	**Credit**:	2 credits (1 credit = 15 Hours for Theory)

5	**Hours Allotted:**	30 Hours
6	**Marks Allotted**:	50 Marks
7	1. विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न करना तथा उनके अधिक तर्कशील बनाते हुए विश्व-जागृति कराना। 2. विद्यार्थियों को विज्ञान से संबंधित तथ्यों से परिचय कराना तथा मानवी भविष्य की परिकल्पना को अधिक तर्कसंगत बनाते हुए चिंता सम्पन्न बनाना। 3. विद्यार्थियों को विज्ञान के संदर्भ में वर्तमान परिवेश की जानकारी प्रदान कराना, वैज्ञानिक गतिविधियों से जोड़ना। 4. विद्यार्थियों को विभिन्न लेखों के माध्यम से अपने आसपास के परिवेश से परिचय कराना।	
8	**Course Outcomes:** 1. विद्यार्थियों को विज्ञान का ज्ञान प्राप्त होने के साथ तर्कशील प्रवृत्ति का विकास होगा। 2. विद्यार्थी को अपने वैज्ञानिक परिवेश का ज्ञान प्राप्त होगा एवं वैज्ञानिक परिकल्पा, भविष्य के जीवन से अवगत होंगे। 3. विद्यार्थियों को हिंदी के वैज्ञानिक लेखों के माध्यम से विश्व में कौन-कौन सी वैज्ञानिक घटनाएं घट रही हैं, इसका ज्ञान प्राप्त होगा तथा वे इस भौतिक जगत से आद्यंत रूप में जुड़ सकेंगे।	
9	Modules (Per credit one module can be created)	
	पुस्तक का नाम- कब शुरू हुई 21 वीं शताब्दी?	लेखक: गुणाकर मुले प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
	निर्धारित वैज्ञानिक लेख :-	
	इकाई- 1 व्याख्यान-15 क्रेडिट 01	
	1. कब शुरू हुई 21वीं शताब्दी?	
	2. बढ़ती जनसंख्या और भोजन की समस्या	
	3. भविष्य के महानगर तथा परिवहन के साधन	
	4. ऊर्जा के नए स्रोत क्या होंगे?	
	5. अंतरिक्ष में बस सकती है मानव दुनिया	
	इकाई- 2 व्याख्यान-15 क्रेडिट 01	
	6. ज्ञान भंडार का विस्फोट	
	7. क्या-क्या काम करेंगे कंप्यूटर रोबोट	
	8. सारे सौरमंडल में मानव का फैलाव	
	9. जीव जगत की नसों में होगा सुधार	
	10. कितना फैलेगा प्रदूषण का जहर	

10	**संदर्भ ग्रंथ-** 1. वैज्ञानिक (पत्रिका)- संपादक-डॉ. कुलवन्त सिंह, हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, मुंबई 2. विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक, खोजकर्ता, आविष्कारक, कलाकार एवं खिलाड़ी- डॉ . भारती खुबालकर, साहनी प्रकाशन, रोशनआरा रोड, दिल्ली 3. स्वतन्त्रता पूर्व हिंदी में विज्ञान-लेखन- डॉ. शिवगोपाल मिश्र, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार 4. वैज्ञानिक दृष्टिकोण-ओमप्रकाश पटीदार, नित्य प्रकाशन, नागपूर 5. संस्कृत वाङ्ग्मय में विज्ञान का इतिहास-संपादक- डॉ. स्वेता उप्पल, एन. सी. ई. आर. टी.	
11	**Internal Continuous Assessment : 40%**	**External : Semester End Examination : 60%**
12	**Continuous Evaluation through:** ● रचनात्मक कार्य/प्रकल्प इत्यादि 10 अंक ● प्रस्तुति/परिसंवाद सहभागिता इत्यादि 5 अंक ● अकादमिक, व्यावसायिक एवं कौशल संवर्धन गतिविधियाँ- 05 अंक **कुल= 20 अंक**	**लिखित परीक्षा** **अंक : 30** **समयावधि : 1 घंटे**
13	**Format of Question Paper:** for the semester end examination **अंक : 30** **लिखित परीक्षा** **समयावधि : 01 घंटा** **निर्देश-** 1. दोनों इकाइयों से प्रश्न पूछे जाएं। 2. तीन प्रश्न पूछे जाएं, किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 15x2 = **30 अंक** कुलयोग- **30 अंक**	

Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
Sign of the BOS Chairman **Prof. Dr. Santosh Motwani** **Board of Studies in Hindi**	**Sign of the Offg. Associate Dean** **Dr. Suchitra Naik** **Faculty of Humanities**	**Sign of the Offg. Associate Dean** **Prof. Manisha Karne** **Faculty of Humanities**	**Sign of the Offg. Dean** **Prof. Anil Singh** **Faculty of Humanities**